जनसंपर्क कार्यालय : एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड, जबलपुर

समाचार

प्रदेश की पारेषण क्षमता जहां 14100 मेगावाट वहीं पारेषण हानि सबसे न्यूनतम स्तर 2.88 प्रतिशत पर पहुंची: एमडी रवि सेठी

जबलपुर, 29 जनवरी। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध संचालक श्री रवि सेठी ने कहा कि हमारे प्रदेश के लिए गौरव की बात है कि प्रदेश की पारेषण क्षमता जहां 14100 मेगावाट पर पहुंच गई है, वहीं पारेषण हानि सबसे न्यूनतम स्तर 2.88 प्रतिशत पर आ गई है। कंपनी के गठन के पश्चात् प्रदेश की अति उच्चदाब उपकेन्द्रों की कुल ट्रांसफार्मेशन क्षमता 52716 एमव्हीए, अति उच्चदाब लाइनों की लंबाई 32213 सर्किट किलोमीटर एवं अति उच्चदाब उपकेन्द्रों की कुल संख्या 327 हो गई है। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान कंपनी द्वारा 24 नए उपकेन्द्रों का निर्माण कर उन्हें ऊर्जीकृत किया गया है एवं कुल ट्रांसफार्मेशन क्षमता में 3993 एमव्हीए की वृद्धि की गई, जो कि ट्रांसमिशन कंपनी के इतिहास में अब तक की सर्वाधिक उपलब्धि है। कंपनी की पारेषण क्षमता 14100 मेगावाट हो गई है, जो कि कंपनी के गठन के समय 3890 थी। अर्थात् कंपनी के गठन के पश्चात पारेषण क्षमता में 262 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

कंपनी के गठन के पश्चात् पारेषण हानि 7.93 से घटकर 2.88 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई है। पारेषण प्रणाली की उपलब्धता मध्यप्रदेश नियामक आयोग के 98 प्रतिशत के निर्धारित मापदंड से अधिक 98.16 प्रतिशत तक प्राप्त की गई है।

श्री सेठी ने इस बात पर गर्व महसूस किया कि उपरोक्त अधोसंरचना के विकास से प्रदेश में माननीय प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री की ''पॉवर फार आल'' योजना के अनुरूप 24x7 घंटे सभी घरेलू उपभोक्ताओं को व कृषि के लिये 10 घंटे बिजली प्रदाय सुनिश्चित की जा रही है।

कंपनी द्वारा स्थापित स्काडा प्रणाली से सभी अति उच्चदाब उपकेन्द्रों को जोड़ा जा चुका है एवं इससे उच्चदाब उपकेन्द्रों से विभिन्न प्रकार के तकनीकी आंकड़े निरंतर प्राप्त हो रहे हैं, जो कि पारेषण प्रणाली के बेहतर संचालन तथा भविष्य की योजनाओं को बनाने में निश्चित रूप से सहायक सिद्ध हो रहे हैं। भविष्य में ट्रांसमिशन स्काडा प्रणाली की सहायता से उपकेन्द्रों का स्व-संचालन भी संभव होगा। कंपनी के 47 अति उच्चदाब केन्द्र, 18 पारेषण लाइनों एवं 11 कार्यालयों को आईएसओ 9001 सर्टिफिकेट प्रदान किए गए हैं।

श्री सेठी ने बताया कि मोहनपुरा बहुउद्देशीय जल परियोजना के निर्माण के कारण डूब क्षेत्र में आ रही 132 केव्ही राजगढ़-मकसूदनगढ़ लाईनों के विस्थापन का चुनौतीपूर्ण कार्य था, जिसमें हार्ड स्ट्राटा में 41 नग टावरों को खड़ा करना, 11.6 किलोमीटर तार खींचनला एवं 26 नग टावर हटाना था एवं जिसमें 10 लोकेशन में गंभीर आरओडब्ल्यू की समस्या भी थी। यह कार्य 4 माह से भी कम समय अवधि में कंपनी द्वारा संपन्न कराया गया, इसके लिए मैं इस कार्य से संबंधित ट्रांसको के कर्मचारियों व अधिकारियों तथा कान्ट्रेक्टर के कर्मचारियों को बधाई देता हूं।

श्री सेठी ने बताया कि 10 जनवरी को सुबह 2 से 7 बजे के मध्य घने कोहरे की वजह से इंदौर क्षेत्र में 12 पारेषण लाइनों की ट्रिपिंग हुई जिसमें 400 केवी की दो, 220 केवी की पांच, 132 केवी की चार लाइनें एवं 400 केवी पीजीसीआईएल की एक लाईन थीं। इन सभी लाइनों को दुरूस्त करने के लिए तीन कार्यपालन अभियंता, चार सहायक अभियंता समेत कंपनी के कुल 117 कर्मियों के सम्मिलित प्रयास से नौ लाईने 2 बजे तक एवं शेष 6 बजे तक दुरूस्त कर दी गईं। मैं आशा करता हूं कि कंपेनी के कर्मी इसी भावना व जुझारू प्रवृत्ति के साथ ऐसे समय पर उल्लेखनीय कार्य करते रहेंगे।

श्री सेठी ने कहा कि हरित ऊर्जा के अधिकतम प्रयोग को भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार द्वारा प्रोत्साहन देने के फलस्वरूप, प्रदेश में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों के कई उत्पादन संयंत्रों की स्थापना की गई एवं कई परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। इन संयंत्रों से उत्पादित हरित ऊर्जा की निकासी के लिए पारेषण प्रणाली का विकास कंपनी द्वारा ग्रीन एनर्जी कारीडोर की महत्वांकांक्षी योजना के तहत किया जा रहा है। जिसके प्रथम चरण में कंपनी द्वारा 3 नग 400 केवी, 7 नग 220 केवी उपकेन्द्र तथा 6910 किलोमीटर 400 केवी, 1164 किलोमीटर 220 केवी एवं 1128 किलोमीटर 132 केवी लाईनों का निर्माण प्रस्तावित है।

पारेषण कंपनी हमेशा से अभिनव तकनीक के उपयोग हेतु अग्रणी रही है जिसके तहत् देश में प्रथम बार मल्टी सर्किट मोनोपाल टावर पर 132 केवी से 220 केवी की लाईन के अपग्रेडेशन का कार्य इंदौर में सघन आबादी वाले क्षेत्र में किया जा रहा है। इसी प्रकार हमने अति उच्चदाब लाइनों एवं उपकेन्द्र के रख-रखाव हेतु इंसुलेटेड एरियल वर्क प्लेटफार्म का उपयोग करना शुरू किया है।

श्री सेठी ने कहा कि मेरा मानना है कि हम सबको अपना SWOT आंकलन करना चाहिए। इससे हमें Strength सामर्थ्य, Weakness कमजोरी, Opportunities अवसरों एवं Threats खतरों का पता चलता है। SWOT आंकलन से हमें कार्यों को बेहतर करने, भविष्य के लिए योजना बनाने व उनके क्रियान्वयन की रूपरेखा बनाकर लक्ष्य प्राप्ति संभव होती है। महत्वपूर्ण है कि हम लगातार अपने ज्ञान, तकनीकी कौशल का निरंतर उन्नयन करें एवं स्वयं का आंकलन करते रहें। इस हेतु प्रतिदिन कुछ न कुछ पढ़िए, कुछ न कुछ जानिए अपने कार्य क्षेत्र से संबंधित,

अपने शौक से संबंधित और प्रतिदिन विचार कीजिए कि आज मैंने क्या न्या सीखा। निरंतर विकास तभी संभव है जब आप दिल से बच्चे की तरह आसपास के वातावरण को देखेंगे, समझेंगे और कार्य योजना बनाकर उसे क्रियान्वित करेंगे।

समाचार क्रमांक : 42/2017

(राकेश पाठक)
वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी